नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत सत्र 2023-24 से पाठ्यपुस्तकों को पुनर्संयोजित किया गया है। यह संजीव पास बुक्स पूर्णतः नवीन पुनर्संयोजित पाठ्यपुस्तकों पर आधारित है।

पास बुक्स में नं. 1

संजीव®

पास बुक्स

समाजशास्त्र-XII

भारतीय समाज

एवं

भारत में सामाजिक परिवर्तन एवं विकास

(कक्षा 12 के कला वर्ग के विद्यार्थियों के लिए नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार)

- माध्य. शिक्षा बोर्ड मॉडल पेपर 2022-23 एवं बोर्ड पेपर 2023 के प्रश्नों का अन्दर समावेश
- पाठ्यपुस्तक के सभी अभ्यास प्रश्नों का हल
- सभी प्रकार के अन्य महत्वपूर्ण प्रश्नों का समावेश
- योग्य एवं अनुभवी लेखकों द्वारा लिखित
- प्रथम श्रेणी प्राप्त करने के लिए पूर्ण सामग्री

2024

संजीव प्रकाशन,

जयपुर

मूल्य : ₹ 360/-

- प्रकाशक :

  संजीव प्रकाशन

  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता,

  जयपुर-3

  email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
  website : www.sanjivprakashan.com

- © प्रकाशकाधीन

- **मूल्य : ₹ 360.00**

- लेजर कम्पोजिंग :

  संजीव प्रकाशन (D.T.P. Department), जयपुर

- मुद्रक :

  आधुनिक बुक वाईन्डर, जयपुर

  ****

❖ इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं–

email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
पता : प्रकाशन विभाग संजीव प्रकाशन
धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर

आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।

❖ इस पुस्तक में प्रकाशित किसी त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक, संपादक तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं।

❖ सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

विषय–सूची

भारतीय समाज (भाग-1)

1. भारतीय समाज : एक परिचय 1–5
2. भारतीय समाज की जनसांख्यिकीय संरचना 6–35
3. सामाजिक संस्थाएँ : निरन्तरता एवं परिवर्तन 36–61
4. बाजार एक सामाजिक संस्था के रूप में 62–83
5. सामाजिक विषमता एवं बहिष्कार के स्वरूप 84–115
6. सांस्कृतिक विविधता की चुनौतियाँ 116–144
7. परियोजना कार्य के लिए सुझाव 145–155

भारत में सामाजिक परिवर्तन एवं विकास (भाग-2)

1. संरचनात्मक परिवर्तन 156–176
2. सांस्कृतिक परिवर्तन 177–198
3. संविधान एवं सामाजिक परिवर्तन 199–212
4. ग्रामीण समाज में विकास एवं परिवर्तन 213–231
5. औद्योगिक समाज में परिवर्तन और विकास 232–249
6. भूमण्डलीकरण और सामाजिक परिवर्तन 250–274
7. जनसम्पर्क साधन और जनसंचार 275–303
8. सामाजिक आन्दोलन 304–328

ये हम नहीं कहते,

जमाना कहता है

संजीव पास बुक्स है नं. 1

दैनिक भास्कर

जयपुर, 12 जुलाई, 2022

राजस्थान का प्रमुख दैनिक

सफलता का पर्याय बनीं संजीव पास बुक्स

जयपुर। लंबे समय से संजीव पास बुक्स अपनी उच्च गुणवत्तायुक्त पाठ्यसामग्री, नवीनतम घटनाक्रम, प्रमाणित आँकड़ों तथा सरल भाषा के कारण विद्यार्थियो में सर्वाधिक लोकप्रिय बनी हुई है। लाखों विद्यार्थी संजीव पास बुक्स से अध्ययन कर सफलता अर्जित कर रहे हैं। स्कूल स्तर के विद्यार्थियों के लिए कक्षा 3 से 9 के लिए संजीव आल इन वन, कक्षा 9 से 12 के लिए अलग-अलग विषय पर संजीव पास बुक्स अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के लिए कक्षा 5 से 8 के लिए संजीव रिफ्रेशर आल इन वन, कक्षा 9 से 12 के लिए अलग-अलग विषय पर संजीव रिफ्रेशर प्रकाशित की जाती हैं। कॉलेज स्तर पर भी राजस्थान के सभी प्रमुख विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमानुसार प्रथम वर्ष से एम.ए. तक के लिए संजीव पास बुक्स प्रकाशित की जाती हैं। संजीव प्रकाशन के निदेशक प्रदीप मित्तल एवं मनोज मित्तल के अनुसार संजीव पास बुक्स सहित अन्य सभी पुस्तकें पूर्णत: नवीनतम पाठ्यपुस्तकों एवं नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार तैयार कराई जाती हैं।

राजस्थान पत्रिका

जयपुर, 7 जुलाई, 2022

राजस्थान का प्रमुख दैनिक

विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बनी संजीव पास बुक्स

जयपुर। संजीव पास बुक्स अपनी पाठ्यसामग्री, नवीनतम घटनाक्रम और सरल भाषा के चलते विद्यार्थियों के लिए उपयोगी साबित हो रही है। संजीव प्रकाशन के निदेशक प्रदीप मित्तल एवं मनोज मित्तल का कहना है कि हमारी पुस्तकें नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार तैयार कराई जाती है, जिसमें अनुभवी विशेषज्ञों का योगदान होता है। साथ ही समय-समय पर इन्हें अपडेट भी किया जाता है, इससे सहायक पुस्तकों के रूप में विद्यार्थियों के लिए ये बहुत उपयोगी हो जाती है। गौरतलब है कि संजीव पासबुक्स, संजीव इंग्लिश कोर्स, संजीव साइंस पुस्तकें, रिफ्रेशर आदि पुस्तकों की कक्षा 3 से एम.ए. तक के छात्रों के बीच अच्छी डिमांड है।

संजीव पास बुक्स कक्षा 3 से एम. ए. के लिए

प्रकाशक–संजीव प्रकाशन, जयपुर-3

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2023

समाजशास्त्र

(Sociology)

समय : 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 80**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

General Instructions to the Examinees :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें।
2. **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न-पत्र के हिन्दी व अंग्रेजी रूपान्तरण में किसी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही मानें।
6. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
7. प्रश्न क्रमांक 21 से 23 तक 1 आन्तरिक विकल्प है।

खण्ड-अ (Section-A)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

(i) 2001 की तुलना में 2011 में भारतीय जनसंख्या की वार्षिक संवृद्धि दर में— **1**

(अ) कमी हुई है (ब) वृद्धि हुई है

(स) कोई परिवर्तन नहीं हुआ (द) कुछ कहा नहीं जा सकता

(ii) 'आदिवासी' शब्द का शाब्दिक अर्थ है— **1**

(अ) मूल निवासी (ब) साहूकार

(स) किसान (द) इनमें से कोई नहीं

(iii) 'राज्य पुनर्गठन आयोग' की रिपोर्ट कब कार्यान्वित की गई? **1**

(अ) 1 अक्टूबर, 1956 (ब) 1 नवम्बर, 1956

(स) 1 दिसम्बर, 1956 (द) 1 सितम्बर, 1956

(iv) ब्रिटिश-भारतीय व्यवस्था में कौनसा शहर 'प्रेसीडेंसी' नहीं था? **1**

(अ) मद्रास (ब) बम्बई

(स) कलकत्ता (द) जयपुर

(v) भारत में सांस्कृतिक विविधता के समक्ष चुनौति के मौलिक कारण क्या है? **1**

(अ) धार्मिक संघर्ष (ब) भाषायी संघर्ष

(स) जातीय संघर्ष (द) उपर्युक्त सभी

(vi) 'ब्रिटिश उपनिवेशवाद' किस व्यवस्था पर आधारित था? **1**

(अ) सामंतवादी व्यवस्था (ब) समाजवादी व्यवस्था

(स) पूँजीवादी व्यवस्था (द) जजमानी व्यवस्था

(vii) 'द मॉडर्निटी ऑफ ट्रेडिशन' पुस्तक के लेखक कौन है? **1**

(अ) योगेन्द्र सिंह (ब) रुडोल्फ एवं रुडोल्फ

(स) श्रीनिवास (द) एंथोनी गिडिंस

(viii) भारत में संविधान सभा का पहला चुनाव कब हुआ? **1**

(अ) मई, 1946 (ब) जून, 1946

(स) जुलाई, 1946 (द) अगस्त, 1946

(ix) स्थानीय सरकार की अवधारणा किस नेता को प्रिय थी? **1**

(अ) इंदिरा गाँधी (ब) अटल बिहारी वाजपेयी

(स) चौधरी चरण सिंह (द) महात्मा गाँधी

(x) 2011 की जनगणना के अनुसार कितने प्रतिशत लोग गाँवों में रहते हैं? **1**

(अ) 49% (ब) 59%

(स) 69% (द) 79%

(xi) 'हिन्द स्वराज' के लेखक कौन है? **1**

(अ) मैक्स मूलर (ब) महात्मा गाँधी

(स) जवाहरलाल नेहरू (द) वी.ए. स्मिथ

(xii) वैज्ञानिक प्रबन्धन/टेलरिज्म का आविष्कार किसने किया? **1**

(अ) विनस्लो टेलर (ब) एडम स्मिथ

(स) मैक्स वेबर (द) हेनरी फेयोल

2. निम्नलिखित प्रश्नों में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

(i) एंडरसन के अनुसार हम राष्ट्र को एक..... की तरह मान सकते हैं। **1**

(ii) ईश्वरचन्द्र विद्यासागर ने..... में 'शोम प्रकाश' नामक पत्र शुरू किया। **1**

(iii) राजा राममोहन रॉय ने..... की स्थापना की। **1**

(iv) गाँधीजी ने 1930 में..... आन्दोलन की शुरुआत की। **1**

(v) बारदोली सत्याग्रह एक..... अभियान था। **1**

(vi) चिपको आन्दोलन..... आन्दोलन का एक उदाहरण है। **1**

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

(i) वैदिक काल में जाति व्यवस्था का स्वरूप क्या था? **1**
What was the form of caste system in Vedic period?

(ii) 'इनविजिबल मेन' की अवधारणा किसने दी? **1**
Who gave the concept of 'Invisible Men'?

(iii) पीयरे बोर्दियू ने पूँजी के कौनसे तीन रूप बताए? लिखिए। **1**
What are the three form of capital given by Pierre Bourdieu? Write.

(iv) छोटे-छोटे बच्चों द्वारा घरेलू नौकर, भवन निर्माण, चाय की दुकान, ढाबों आदि में कार्य करना आपके अनुसार क्या ये सामाजिक विषमता एवं बहिष्कार के उदाहरण है या नहीं? **1**
Young children working as domestic workers, construction helpers, in tea shops and dhabas etc. Do you think these are an example of social inequality and exclusion or not?

(v) औद्योगिक समाज में प्रमुख रोजगार का कोई एक मौलिक उदाहरण दीजिए। **1**
Give any one basic example of prime employment in industrial society.

(vi) औपनिवेशिक शासन का भारतीय समाज पर क्या प्रभाव पड़ा? कोई एक मौलिक उदाहरण दीजिए। **1**
What was the impact of colonial rule of Indian Society? Give any one basic example.

(vii) पंचायतीराज का शाब्दिक अर्थ क्या होता है? बताइए। **1**
What is the literal translation of Panchayati Raj? State.

(viii) भारत में स्थानीय स्वशासन का कोई एक मौलिक प्रभाव लिखिए। **1**
Write any one basic impact of local self-government in India.

(ix) भारत सरकार द्वारा रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए हाल ही में कौनसे कार्यक्रम शुरू किए गए? कोई एक बताइए। **1**
Which schemes have recently been started by the government of India for wage workers and self-employment? State any one.

(x) फैक्ट्री मैनेजर का कोई एक मौलिक कार्य लिखिए। **1**
Write any one task of a factory manager.

(xi) फोर्डवादोत्तर/पोस्ट फोर्डिज्म का क्या तात्पर्य है? **1**
What is meant by Post-fordism?

(xii) मास मीडिया हमारे दैनिक जीवन का महत्त्वपूर्ण अंग है; इसका कोई एक मौलिक उदाहरण दीजिए। **1**
Mass media is an important part of our everyday life; Give any one basic example of it.

खण्ड-ब (Section-B)

4. समाज के विकास के साथ शिशु मृत्यु दर कम क्यों हो जाती है? कोई दो मौलिक कारण लिखिए। **1+1=2**
Why does the infant mortality rate decrease with the development of society? Write any two basic causes.

5. जाति समाज का खंडात्मक संगठन कैसे है? बताइए। **2**
How caste is the segmental organization of society? State.

6. लेस-ए-फेयर से क्या तात्पर्य है? तथा इसके प्रतिपादक कौन है? लिखिए। **1+1=2**
What is meant by Laissez-faire? And who coined this term? Write.

7. भारत एक सांस्कृतिक विविधता वाला राष्ट्र है, इसका क्या तात्पर्य है? **2**
What does it meant that India is a culturally diverse country?

8. 'प्रदत्त सामुदायिक पहचान' किसे कहते हैं? बताइए। **2**
What is ascriptive community identity? State.

9. 'राष्ट्रीय योजना समिति' (1938) के किन्हीं दो विचाराधीन क्षेत्रों को लिखिए। **1+1=2**
Write any two focussed areas of 'National Planning Committee' (1938).

10. नगरीकरण के कोई दो प्रभाव लिखिए। **1+1=2**
Write any two effects of urbanization.

11. पंचायत की किन्हीं दो शक्तियों व उत्तरदायित्वों को बताइए। **1+1=2**
State any two powers and responsibilities of Panchayat.

12. भारत के विभिन्न क्षेत्रों में कृषि सम्बन्धी त्यौहारों के बारे में बताइए। **2**
State about harvest festivals in different regions of India.

13. खान में काम करने वालों के कोई दो सुरक्षा उपाय लिखिए। **1+1=2**
Write any two safety measures for mine workers.

14. भूमण्डलीकरण के कोई दो प्रभाव लिखिए। **1+1=2**
Write any two effects of globalization.

15. 'उपयोग की संस्कृति' से क्या तात्पर्य है? **2**
What is meant by culture of consumption?

16. सुधारवादी आन्दोलन का क्या अर्थ है? कोई एक उदाहरण दीजिए। **1+1=2**
What is meant by reformist movement? Give any one example.

खण्ड-स (Section-C)

17. प्रबल जाति की अवधारणा क्या है? प्रबल जातियों के कुछ उदाहरण लिखिए। **2+1=3**
What is the concept of dominant caste? Write some example of dominant caste.

18. सामाजिक विषमता एवं बहिष्कार की प्रकृति सामाजिक कैसे है? संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। **1+1+1=3**
How the nature of social inequality and exclusion is social? Briefly explain.

19. स्वतन्त्रता के बाद ग्रामीण समाज में हुए परिवर्तनों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। **3**
Briefly describe the transformations occurred in rural society after independence.

20. पारराष्ट्रीय टेलीविजन कम्पनियों के आने से भारतीय टेलीविजन उद्योग पर क्या प्रभाव पड़ा? संक्षिप्त वर्णन कीजिए। **3**
What was the impact of the entry of transnational television companies on the Indian television industry? Briefly describe.

खण्ड-द (Section-D)

21. माल्थस के जनसंख्या वृद्धि के सिद्धान्त का वर्णन कीजिए। **4**
Describe the Malthusian theory of population growth.

अथवा/OR

जनसांख्यिकीय संक्रमण सिद्धान्त का वर्णन कीजिए। **1+1+1+1=4**
Describe the theory of demographic transition.

22. उपनिवेशवाद के पश्चात् भारतीय अर्थव्यवस्था में क्या बदलाव आए? **4**
What changes took place in the Indian economy after colonialism?

अथवा/OR

पण्यीकरण क्या है? मार्क्स के अनुसार पण्यीकरण व पूँजीवाद में क्या सम्बन्ध है? कोचिंग क्लासेज में वृद्धि क्या शिक्षा के पण्यीकरण का उदाहरण है? **1+2+1=4**
What is commodification (Commoditisation)? What is the relation between commodification and capitalism according to Marx? Is the rise in coaching classes an example of commodification of education?

23. संस्कृतिकरण क्या है? आलोचनात्मक वर्णन कीजिए। **1+3=4**
What is Sanskritization? Critically describe.

अथवा/OR

पश्चिमीकरण को परिभाषित कीजिए। इसका भारतीय समाज एवं संस्कृति पर क्या प्रभाव पड़ा? लिखिए। **1+3=4**
Define Westernization. What effect has it had on the Indian culture and society? Write.

समाजशास्त्र-XII (भाग-1)
भारतीय समाज
1. भारतीय समाज : एक परिचय

पाठ का सार

समाजशास्त्र का परिचय–समाजशास्त्र अन्य सभी विषयों से अलग है। इसका ज्ञान औपचारिक और अनौपचारिक रूप से प्राप्त हो जाता है। अन्य विषयों की भाँति इसे पढ़ाने की प्रायः आवश्यकता नहीं होती है। इसका ज्ञान स्वाभाविक या अपने आप प्राप्त किया सा प्रतीत होता है। अन्य समाज विज्ञानों को जहाँ बालक को पढ़ाने की आवश्यकता होती है वहीं एक बालक समाज और सामाजिक सम्बन्धों के बारे में बिना पढ़े ही बहुत कुछ जानता है।

समाजशास्त्र के बारे में ज्ञान–समाजशास्त्र के बारे में पूर्व में ही ज्ञान प्राप्त रहता है। इस प्रकार का सहज ज्ञान या सहज बोध समाजशास्त्र के लिए बाधक और सहायक दोनों ही हैं। सहायक इसलिए क्योंकि छात्रों को इसकी विषयवस्तु के बारे में पहले से ही बहुत कुछ पता होता है और बाधक इसलिए क्योंकि समाजशास्त्र समाज के व्यवस्थित एवं वैज्ञानिक अध्ययन पर आधारित होता है। इस प्रकार की अध्ययन प्रक्रिया को सीखने-समझने के लिए अनिवार्य है कि हम अपने 'सहज बोध' को भूलने या मिटा देने की भरपूर कोशिश करें। समाजशास्त्र के ज्ञान के लिए अपनी पूर्व अवधारणाओं को उधेड़ना अर्थात् मिटा देना पड़ता है।

समाजशास्त्र को सीखने का प्रारम्भिक चरण–इसमें प्रायः भूलने की प्रक्रियाओं को शामिल किया जाता है, क्योंकि समाज के बारे में यह सहज बोध विशिष्ट दृष्टिकोणों से प्राप्त किया हुआ होता है। समाज, सामाजिक सम्बन्ध के बारे में हमारे मत, आस्थायें गलत भी हो सकती हैं। समाज के बारे में हमारा सीखा हुआ ज्ञान एकपक्षीय होता है जो कि प्रायः हमारे सामाजिक समूह और हितों के प्रति झुका हुआ होता है।

समाजशास्त्र एक विस्तृत समाज विज्ञान–समाजशास्त्र सोचने की और दृष्टि को विकसित करने की क्षमता को विकसित करता है। यह समाज में व्यक्ति की स्थिति, सामाजिक संस्थाओं से व्यक्ति के सम्बन्धों तथा विभिन्न सामाजिक संस्थाओं और समूहों से व्यक्ति को परिचित करवाता है। यह विभिन्न सामाजिक समस्याओं के कारण और प्रभावों से परिचित करवाता है। समाजशास्त्र आपको यह दिखा सकता है कि दूसरे आपको किस तरह देखते हैं; आपको यह सिखा सकता है कि आप 'स्वयं' को बाहर से कैसे देख सकते हैं। **सी. राईट मिल्स** के अनुसार, 'व्यक्तिगत परेशानियों' एवं 'सामाजिक मुद्दों' के बीच की कड़ियों एवं सम्बन्धों को उजागर करने में मदद कर सकता है।

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

बहुचयनात्मक प्रश्न–

1. समाजशास्त्र अन्य सभी विषयों से पृथक् है, क्योंकि–
   (क) सभी को समाज के बारे में पहले से कुछ न कुछ ज्ञात होता है।
   (ख) समाज के बारे में सभी को ज्ञान नहीं होता है।
   (ग) समाज के बारे में घर-विद्यालय में बताया जाता है।
   (घ) समाज के बारे में कुछ भी पता नहीं होता है।

2. समाजशास्त्र को सीखने से पहले आवश्यक है–
   (क) समाज के बारे में धारणायें बनाना।
   (ख) समाज के बारे में अपनी पूर्व धारणाओं को उधेड़ना।
   (ग) समाज के बारे में आधारभूत ज्ञान प्राप्त करना।
   (घ) सामाजिक समस्याओं का अध्ययन करना।
3. समाजशास्त्र के प्रारम्भिक चरण में शामिल किया जाता है–
   (क) ज्ञान प्राप्त करने की प्रक्रिया (ख) भूलने की प्रक्रिया
   (ग) जानने की प्रक्रिया (घ) वैज्ञानिक अध्ययन की प्रक्रिया
4. छात्रों को समाजशास्त्र आसान लगता है क्योंकि–
   (क) इसकी विषयवस्तु के बारे में उन्हें पहले से पता होता है।
   (ख) यह एक ऐसा विषय है जिसके बारे में शून्य से शुरुआत की जाती है।
   (ग) इस विषय का ज्ञान औपचारिक तरह से मिल जाता है।
   (घ) उपर्युक्त सभी।
5. समाजशास्त्र समाज के किस अध्ययन पर आधारित है?
   (क) ऐतिहासिक व भौगोलिक (ख) व्यवस्थित व वैज्ञानिक
   (ग) ऐतिहासिक व वैज्ञानिक (घ) व्यवस्थित व भौगोलिक
6. सत्रह या अठारह वर्ष की आयु वाले सामाजिक समूह को क्या कहा जाता है?
   (क) नवजात पीढ़ी (ख) युवा पीढ़ी
   (ग) वृद्ध पीढ़ी (घ) उपर्युक्त सभी
7. समाजशास्त्र आपको यह सिखा सकता है कि आप स्वयं को बाहर से कैसे देख सकते हैं, इसे कहा जाता है–
   (क) आत्मवाचन (ख) आत्म-मुग्धता
   (ग) पर-निरीक्षण (घ) पर-मुग्धता

उत्तर-तालिका

1. (क)	2. (ख)	3. (ख)	4. (क)	5. (ख)	6. (ख)	7. (क)		

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. ..... द्वारा प्राप्त किया गया ज्ञान समाजशास्त्र के लिए एक बाधा या समस्या है।
2. समाजशास्त्र समाज के ..... व ..... अध्ययन पर आधारित है।
3. हमारे सामाजिक संदर्भ समाज एवं सामाजिक सम्बन्धों के बारे में हमारे ....., आस्थाओं एवं ..... को आकार देते हैं।
4. ..... एक प्रसिद्ध अमेरिकी समाजशास्त्री हैं।
5. व्यक्तिगत परेशानियों का आशय विभिन्न प्रकार की व्यक्तिगत चिन्ताएँ, ... या सरोकार से है जो सबके होते हैं।

उत्तरमाला–1. सहजबोध 2. व्यवस्थित, वैज्ञानिक 3. मतों, अपेक्षाओं 4. सी. राईट मिल्स 5. समस्याएँ।

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

प्रश्न 1. अन्य विषयों की अपेक्षा समाजशास्त्र अलग विषय क्यों है?

उत्तर–क्योंकि समाज के बारे में हमें बिना पढ़े ही कुछ न कुछ पता होता है।

प्रश्न 2. समाज के बारे में हमारा ज्ञान 'स्वाभाविक' और 'अपने आप' प्राप्त किया क्यों प्रतीत होता है?

उत्तर–क्योंकि यह हमारे बड़े होने की प्रक्रिया का एक महत्त्वपूर्ण अभिन्न हिस्सा होता है।

प्रश्न 3. 'पहले से ही' अथवा 'अपने आप' प्राप्त किया गया सहज-ज्ञान या सहज-बोध समाजशास्त्र के लिए बाधक क्यों है?

उत्तर–क्योंकि पहले से ही प्राप्त सहज ज्ञान पूर्व धारणाएँ लिए हुए होता है।

प्रश्न 4. समाजशास्त्र की अध्ययन प्रक्रिया को सीखने-समझने के लिए क्या अनिवार्य है?

उत्तर–हमें अपने सहज बोध को 'मिटा देने' की कोशिश करना।

प्रश्न 5. समाज के बारे में हमारे पूर्व ज्ञान की सबसे बड़ी कमी क्या होती है?

उत्तर–हमारा पूर्व ज्ञान पूर्वाग्रह से युक्त एकपक्षीय होता है।

प्रश्न 6. समाजशास्त्र में स्वनिरीक्षण कैसे किया जाना चाहिये?

उत्तर–यह स्वनिरीक्षण आलोचनात्मक होना चाहिये। इसमें समीक्षा अधिक और आत्ममुग्धता कम होनी चाहिए।

प्रश्न 7. एक तुलनात्मक सामाजिक नक्शा हमारे लिए किस प्रकार से उपयोगी होता है?

उत्तर–एक तुलनात्मक सामाजिक नक्शा हमें समाज में हमारे निर्धारित स्थान के बारे में बता सकता है।

प्रश्न 8. हमारे मतों, आस्थाओं एवं अपेक्षाओं को आकार देने में किन बातों का योगदान होता है?

उत्तर–हमारे सामाजिक सन्दर्भ, समाज एवं सामाजिक सम्बन्धों के बारे में हमारे मतों, आस्थाओं और अपेक्षाओं को आकार देते हैं।

लघूत्तरात्मक प्रश्न I–

प्रश्न 1. आस्थाओं पर विश्वास करने में क्या कठिनाई है?

उत्तर–आस्थाएँ अक्सर अपूर्ण एवं पूर्वाग्रहपूर्ण होती हैं। अत: हमारा 'बिना सीखा गया' ज्ञान या सहज सामान्य बोध अक्सर हमें सामाजिक वास्तविकता का केवल एक हिस्सा ही दिखलाता है। इसके अतिरिक्त यह सामान्यत: हमारे अपने सामाजिक समूह के हितों एवं मतों की तरफ झुका हुआ होता है।

प्रश्न 2. आत्मवाचक से आपका क्या तात्पर्य है?

उत्तर–दूसरे आपको किस तरह देखते हैं अथवा आप स्वयं को 'बाहर से' कैसे देख सकते हैं, इसे स्ववाचक या कभी-कभी आत्मवाचक कहा जाता है। यह अपने बारे में सोचने, अपनी दृष्टि को लगातार अपनी तरफ घुमाने की आलोचनात्मक क्षमता है।

प्रश्न 3. समाजशास्त्र के अध्ययन का महत्त्व बताइए।

उत्तर–समाजशास्त्र समाज में हमारा स्थान निर्धारित करने में सहयोग करने, सामाजिक समूहों के स्थानों को निर्धारित करने के अलावा हमें व्यक्तिगत परेशानियों एवं सामाजिक मुद्दों के बीच की कड़ियों को उजागर करने में सहायक होता है।

प्रश्न 4. समाजशास्त्र के सन्दर्भ में प्रसिद्ध समाजशास्त्री सी. राईट मिल्स का क्या कथन है?

उत्तर–सी. राईट मिल्स का कथन है कि समाजशास्त्र आपकी 'व्यक्तिगत परेशानियों' एवं 'सामाजिक मुद्दों' के बीच की कड़ियों एवं सम्बन्धों को उजागर करने में मदद कर सकता है।

प्रश्न 5. व्यक्तिगत परेशानियों से मिल्स का क्या तात्पर्य है?

उत्तर–व्यक्तिगत परेशानियों से मिल्स का तात्पर्य है, विभिन्न प्रकार की व्यक्तिगत चिन्ताएँ, समस्याएँ या सरोकार जो सबके होते हैं।

प्रश्न 6. ''समाजशास्त्र अन्य सभी समाज विज्ञानों से अलग है।'' कैसे?

उत्तर–समाजशास्त्र अन्य सभी विषयों से पृथक् है क्योंकि इतिहास, भूगोल, मनोविज्ञान तथा अर्थशास्त्र इत्यादि विषयों के बारे में पहले से ज्ञान प्राप्त नहीं होता है, इनका ज्ञान हमें औपचारिक या अनौपचारिक, घर या अन्य सन्दर्भ में सिखाया-पढ़ाया जाता है। वास्तव में मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, इस नाते वह समाज के बारे में पहले से ही बहुत कुछ जानता है।

प्रश्न 7. ''पहले से ही प्राप्त सहज ज्ञान समाजशास्त्र के लिए बाधक भी है और सहायक भी।'' कैसे?

अथवा

''अपने आप प्राप्त किया हुआ सहजबोध समाजशास्त्र के लिए बाधक और सहायक दोनों है।'' कैसे?

उत्तर–पहले से ही प्राप्त सहज ज्ञान समाजशास्त्र के लिए सहायक इसलिए है क्योंकि इससे समाजशास्त्र विषय को लेते समय छात्र भयभीत नहीं होते हैं, क्योंकि इसकी विषयवस्तु के बारे में उन्हें पहले से ही बहुत कुछ पता होता है। परन्तु इसी सहजबोध के द्वारा प्राप्त ज्ञान समाजशास्त्र के लिए बाधक भी है क्योंकि समाजशास्त्र समाज के व्यवस्थित एवं वैज्ञानिक अध्ययन पर आधारित है।

प्रश्न 8. समाजशास्त्र को सीखने का आरम्भ भूलने की प्रक्रिया से कैसे आरम्भ होता है?

अथवा

''समाजशास्त्र का प्रारम्भिक चरण भूलने की प्रक्रिया से आरम्भ होता है।'' कैसे?

उत्तर–समाजशास्त्र एक ऐसा विषय है जिसका आरम्भ भूलने की प्रक्रिया से आरम्भ होता है क्योंकि समाज के बारे में हमारा पूर्व ज्ञान अथवा सहजबोध एक विशिष्ट दृष्टिकोण से प्राप्त किया हुआ होता है जो कि उस सामाजिक समूह और

सामाजिक वातावरण से प्राप्त वह दृष्टिकोण होता है, जिससे हम समाजीकृत होते हैं। इसलिए यह सहजबोध पूर्वाग्रह से ग्रसित होता है, जिसे छोड़ना आवश्यक है।

प्रश्न 9. समाजशास्त्र अन्य समाज विज्ञानों की अपेक्षा क्या खास बात सिखा सकता है?

उत्तर–अन्य समाज विज्ञानों की अपेक्षा समाजशास्त्र हमें यह सिखा सकता है कि दूसरे हमें किस प्रकार से देखते हैं। इसे 'स्ववाचक' और कभी-कभी 'आत्मवाचक' भी कहा जाता है जो कि हमें अपने बारे में सोचने, अपनी दृष्टि को लगातार अपनी ओर घुमाने की क्षमता प्रदान करता है।

प्रश्न 10. एक तुलनात्मक सामाजिक नक्शा हमारे लिए किस प्रकार से उपयोगी होता है? बताइए।

उत्तर–एक तुलनात्मक सामाजिक नक्शा हमें समाज में हमारे निर्धारित स्थान के बारे में बताता है। यह निश्चित आयुवर्ग में हमारे स्थान के बारे में बता सकता है। यह हमें किसी क्षेत्रीय अथवा भाषाई समुदाय में हमारी स्थिति के बारे में बता सकता है। एक धार्मिक समुदाय, जाति अथवा जनजाति तथा आर्थिक वर्ग के सन्दर्भ में हमारे स्थान तथा स्थिति को बता सकता है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न II–

प्रश्न 1. समाजशास्त्री सी. राईट मिल्स के अनुसार समाजशास्त्र हमें क्या-क्या सिखा सकता है?

अथवा

समाजशास्त्र व्यक्तिगत परेशानियों तथा सामाजिक मुद्दों के बीच कड़ी तथा सम्बन्धों का खाका खींचने में हमारी मदद कर सकता है। चर्चा कीजिए।

उत्तर–समाजशास्त्री सी. राईट मिल्स के अनुसार समाजशास्त्र हमारी 'व्यक्तिगत परेशानियों' एवं 'सामाजिक मुद्दों' के बीच की कड़ियों एवं सम्बन्धों को उजागर करने में मदद कर सकता है। व्यक्तिगत परेशानियों से मिल्स का अर्थ है– विभिन्न प्रकार की व्यक्तिगत चिन्तायें, समस्यायें अथवा सरोकार जो सबके होते हैं। उदाहरण के लिए आप अपने भविष्य के बारे में या आपको किस तरह की नौकरी मिलेगी, इस बारे में चिंतित हों लेकिन ये चिंताएं व्यक्तिगत परिप्रेक्ष्य तक ही सीमित हैं। जबकि एक सामाजिक मुद्दा बड़े समूहों से संबंधित होता है, न कि उन एकल व्यक्तियों से जो उन समूहों के सदस्य हैं।

प्रश्न 2. समाजशास्त्र की सीखने की प्रक्रिया कैसे प्रारंभ होती है?

उत्तर–समाजशास्त्र की सीखने की प्रक्रिया भूलने की प्रक्रिया से प्रारंभ होती है। समाजशास्त्र के अध्ययन से पहले ही बालक को समाज का सहज बोध होता है, जो समाज के बारे में अपनी पूर्व धारणाओं पर आधारित होता है। चूंकि समाजशास्त्र समाज के व्यवस्थित और वैज्ञानिक अध्ययन पर आधारित है। इस प्रकार की अध्ययन की प्रक्रिया को सीखने-समझने के लिए अनिवार्य है कि हम उसके इस सहज बोध को 'भूलने' या 'मिटा देने' की भरपूर कोशिश करें। जिस प्रकार किसी बुने हुए स्वेटर को नए सिरे से बुनने के लिए पहले की बुनाई को उधेड़ना पड़ता है, ठीक उसी तरह समाजशास्त्र को सीखने से पहले हमें समाज के बारे में अपनी पूर्व धारणाओं को उधेड़ना या मिटा देना पड़ता है। क्योंकि समाज के बारे में हमारा सहज सामान्य ज्ञान एक सामाजिक वास्तविकता का केवल एक हिस्सा ही दिखलाता है। दूसरे यह हमारे अपने सामाजिक समूह के हितों और मतों की तरफ झुका हुआ होता है।

प्रश्न 3. सहज बोध ज्ञान क्या होता है?

उत्तर–समाज के बारे में या किसी अन्य विषय के बारे में जो ज्ञान कोई व्यक्ति या बच्चा अपने समाज या परिवार में रहकर लेता है, उसे सहज बोध कहते हैं। इस ज्ञान के लिए व्यक्ति को पुस्तकें इत्यादि पढ़ने की आवश्यकता नहीं होती। यह ज्ञान आस-पास के वातावरण से पाया जा सकता है। इस प्रकार 'पहले से ही' या 'अपने आप' प्राप्त किया गया सहज ज्ञान सहज बोध-ज्ञान कहलाता है। लेकिन समाज के बारे में हमारा पहले से प्राप्त 'सामान्य बोध' एक विशिष्ट दृष्टिकोण से प्राप्त किया हुआ होता है जो उस सामाजिक समूह और सामाजिक वातावरण का दृष्टिकोण होता है जिसमें हम समाजीकृत होते हैं।

निबन्धात्मक प्रश्न–

प्रश्न 1. समाजशास्त्र तथा अन्य समाज विज्ञानों के अध्ययन में क्या अन्तर है? स्पष्ट कीजिये।

उत्तर–समाजशास्त्र तथा अन्य समाज विज्ञानों के अध्ययन में निम्न अन्तर हैं–

(1) समाज के बारे में सभी को पहले से कुछ न कुछ अवश्य पता होता है जबकि अन्य विषयों को तभी सीखा जा सकता है जबकि उनको सिखाया जाता है।

(2) समाज के बारे में एक बालक को समाजीकरण की प्रक्रिया के अन्तर्गत स्वत: ही ज्ञान प्राप्त हो जाता है; परन्तु अन्य समाज विज्ञानों का ज्ञान औपचारिक या अनौपचारिक रूप से विद्यालय, घर अथवा अन्य सन्दर्भ में सिखाया-पढ़ाया जाता है।